केंद्रीय विद्यालय संगठन एर्नाकुलम संभाग
हिंदी (केंद्रिक) पूर्व बोर्ड परीक्षा 1

कक्षा 12
अधिकतम अंक 80

अवधि -3 घंटे

सामान्य निर्देश

- कृपया जाँचं कर लें कि इस प्रश्न पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर दीजिए।
- क्रमांक अवश्य डालिए।
- प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिये 15 मिनट का समय दिया गया है।

खंड (क)

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

कविता का मनुष्य के लिए क्या प्रयोजन है या उसकी क्या आवश्यकता है ? यह जानने से पहले आवश्यक है कि कविता को जान लिया जाए ,उसके कार्यों को जान लिया जाए | यह प्रपंची विश्व नाना रूपाकारों और व्यापारों की रंगस्थली है | मनुष्य मन भी इस विश्व की गतिविधियों से आक्रांत रहता है | वह ऐसा बंधा और बिंधा हुआ रहता है कि सुख दुख से कभी मुक्त नहीं हो पाता | कविता उसे मुक्त करने का काम करती है, इसलिए कविता की परिभाषा देते हुए आचार्य शुक्ल ने लिखा है ,"हृदय की मुक्ति साधना के लिए मनुष्य की वाणी जो शब्द विधान करती आई है , उसे कविता कहते हैं | इस साधना को हम भावयोग कहते हैं और कर्मयोग और ज्ञानयोग के समकक्ष मानते हैं |

इस परिभाषा के प्रकाश में कविता की प्रयोजनीयता काफी सीमा तक स्पष्ट हो जाती है | हृदय की मुक्ति का आशय स्वार्थ संबंधों से उपर उठना है | कविता मनुष्य को

लोक सामन्य की भावभूमि तक ले जाती है | यह मेरा है ,वह तेरा है जैसे संकुचित भावों से मुक्त होकर व्यक्ति का हृदय विश्व हृदय में लीन हो जाता है | धर्म ,जाति,राष्ट्र की सीमाएं टूट जाती हैं | कविता बाहरी जगत की उपेक्षा नहीं करती वरन प्राकृतिक व्यापारों का मनुष्य की आंतरिक प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करती हुई भावात्मक सत्ता का विस्तार कर देती है | इस प्रकार कविता को मनुष्यता की उच्च भूमि कहा जा सकता है ,क्योकि वह पशुत्व से मनुष्यत्व की ओर ले जाने का कार्य करती है | कविता के द्वारा मनुष्य बंधन मुक्त हो जाता है ,स्वार्थ से ,निजी सुख –दुख से ,हानि-लाभ से | कविता के माध्यम से मनुष्य का हृदय बंधन मुक्त होकर संपूर्ण जगत के साथ तादात्म्य स्थापित कर लेता है | व्यक्ति की निजी भाव-सत्ता मिट जाती है | इससे जो आनंदानुभूति होती है ,वह किसी भी अन्य वस्तु द्वारा प्राप्त नहीं हो सकती |

1° व्यक्ति की निजी भाव –सत्ता किस प्रकार मिट जाती है ? (2)

2° 'सुख दुख' तथा 'आनंदानुभूति' का समास विग्रह कर समास के नाम लिखिए| (2)

3° कविता का मनुष्य केलिए क्या प्रयोजन है ? (2)

4° आचार्य शुक्ल ने कविता को किस प्रकार परिभाषित किया है ? (2)

5° 'हृदय की मुक्ति साधना' से लेखक का क्या तात्पर्य है ? (2)

6° कविता मनुष्य को किस प्रकार आनंद प्रदान करती है ? (1)

7° प्रस्तुत गदयांश का उचित शीर्षक दीजिए | (1)

प्र.2° निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4x1=4

मैं हूँ उनके साथ खड़ी ,
जो सीधी रखते अपनी रीढ़ ।
कभी नहीं जो तज सकते हैं,
अपना न्यायोचित अधिकार।
कभी नहीं जो सह सकते हैं,
शीश नवाकर अत्याचार ।
एक अकेले हो या उनके ,
साथ खड़ी हो भारी भीड़ ,
मैं हूँ उनके साथ खड़ी ,
जो सीधी रखते अपनी रीढ़।
निर्भय हो घोषित करते
जो अपने उद्गार –विचार
जिनकी जिह्वा पर होता है ,
उनके अंतर का अंगार ,
नहीं जिन्हें चुप कर सकती है ,
आतयियों का शमशीर ।
मैं हूँ उनके साथ खड़ी ,
जो सीधी रखते अपनी रीढ़ ।

1° कवयित्रि ने रीढ़ सीधी रखने की बात क्यों की है ?

2° काव्यांश के माध्यम से क्या संदेश दिया गया है ?

3° 'शमशीर ' का क्या अर्थ है ?

4° प्रस्तुत पदयांश का उचित शीर्षक दीजिए |

खंड (ख)

प्र 3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । (5)

क)प्राकृतिक आपदाएँ ।

ख)कमरतोड़ महंगाई।

ग) खेल-कूद में उभरता भारत ।

घ) संचार का शक्तिशाली माध्यम |

प्र.4 गृह मंत्रालय भारत सरकार की ओर से शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के कर्मचारियों को हिन्दी भाषा का प्रशिक्षण देने हेतु पत्र लिखिए । (5)

या

किसी भी दुर्घटना के दर्शक या साक्षी उस हादसे के प्रति प्रायः उदासीन रहते हैं | उनकी हृदयहीनता की चर्चा करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए |

प्र.5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए ।

4 x1=4

क)प्रिंट माध्यम से आप क्या समझते है?

ख)अंशकालिक संवाददाता से क्या तात्पर्य है ?

ग) छापेखाने के आविष्कार का श्रेय किसको है?

घ) उल्टा पिरामिड शैली क्या होती है?

प्र.6.'टूटते बिखरते रिश्ते ' विषय पर एक आलेख लिखिये अथवा पढ़ी हुई किसी पुस्तक की समीक्षा कीजिए ।

(3)

प्र.7.'बढ़ते 'रियाल्टी शो ' अथवा 'वन रहेंगे तो हम रहेंगे ' विषय पर फीचर तैयार कीजिए | (3)

खंड (ग)

प्र.8. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

2+2+2=6

मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ;
उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ
जो मुझको बाहर हंसा ,रुलाती फीतर ,
मैं ,हाय ,किसी की याद लिए फिरता हूँ
कर यत्न मिटे सब ,सत्य किसी ने जाना ?
नादान वही है ,हाय, जहां पर दाना ।
फिर मूढ़ न क्या जग ,जो इस पर भी सीखे ?
मैं सीख रहा हूँ ,सीखा ज्ञान भुलाना ।

1°कवि किस मनस्थिति में जी रहा है ? और क्यों ?

2° कवि इस संसार के बारे में क्या बताता है ?

3° कौन व्यक्ति मूर्ख है और क्यों ?

अथवा

कविता एक उड़ान है ,चिड़िया के बहाने ,
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने ,
बाहर भीतर ,
इस घर उस घर ,
कविता के पंख लगा उड़ने के माने ,
चिड़िया क्या जाने ।
कविता एक खिलना है ,फूलों के बहाने ,
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने,
बाहर,भीतर,
इस घर ,उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने ,
फूल क्या जाने ।
कविता एक खेल है बच्चों के बहाने ,
बाहर भीतर ,
यह घर वह घर ,
सब घर एक कर देने के माने ,
बच्चा ही जाने ।

क)कवि तथा कविता के नाम स्पष्ट करते हुए यह बताइये कि कविता के पंख किसका प्रतीक है ?

ख)कवि, कविता तथा बच्चे को समानांतर क्यों मानते हैं ?

ग) कविता के सन्दर्भ में बिना मुरझाए महकने से क्या तात्पर्य है ?

प्र.9. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- 2+2=4

जाने क्या रिश्ता है ,जाने क्या नाता है
जितना भी उंडेलता हूँ ,भर- भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है ?
मीठे पानी का सोता है ?
भीतर हम ,ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है |

1° भाषागत विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए |

2° अलंकार –सौंदर्य स्पष्ट कीजिए |

अथवा

नभ में पांति बंधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जाती वे मेरी ऑखें ।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती सांझ की सतेज श्वेत काया,
हौले –हौले जाती मुझे बाँध निज माया से ,
उसे कोई तनिक रोक रक्खो ।

क)काव्यांश से मानवीकरण का एक उदाहरण चुनकर उसका सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

ख)काव्यांश के आधार पर सांझ के प्रकृति चित्रण पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

प्र.10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 3 +3 = 6

क)सिद्ध कीजिए कि उषा कविता में गाँव की सुबह का गतिशील चित्रण है ।

ख)'हम समर्थ शक्तिवान, हम एक दुर्बल को लाएँगे' -'कैमरे में बंद अपाहिज '-में इन पक्तियों के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग्य किया है ?

ग) शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुणरस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है ?

प्र.11. नीचे दिए गए गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 2+2+2=6

सफिया कस्टम के जंगले से निकलकर दूसरे प्लेटफार्म पर आ गई और वे वहीं खड़े रहे । प्लेटफार्म पर उसके बहुत–से दोस्त, भाई रिश्तेदार थे ,हसरत भरी नज़रों,बहते हुए आंसुओं ,ठंडी साँसों और भिचे हुए होठों को बीच में से काटती हुइ रेल सरहद की तरफ बढ़ी । अटारी में पाकिस्तानी पुलिस उतरी, हिन्दुस्तानी पुलिस सवार हुई । कुछ समझ में नहीं आता था कि कहाँ से लाहोर खत्म हुआ और किस जगह से अमृतसर शुरू हो गया । एक ज़मीन थी, एक ज़बान

थी, एक सी सूरतें और लिबास ,एक सा लबोलहजा और अंदाज़ थे, गालियाँ भी एक ही सी थीं जिनसे दोनों बडे प्यार से एक दूसरे को नवाज़ रहे थे । बस मुश्किल सिर्फ इतनी थी कि भरी हुई बंदूकें दोनों के हाथों में थीं ।

क) 'सफिया कस्टम के जंगले से निकलकर दूसरे प्लेटफार्म पर आ गई और वे वहीं खड़े रहे '–इस वाक्य में 'वे' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है –उनका विस्तृत परिचय दीजिए ।

ख) प्लेटफार्म पर सफिया को बिदाई करने कौन-कौन आए थे ? उन्होंने सफिया को कैसे बिदाई दी ?

ग) अटारी में रेलगाड़ी में क्या परिवर्तन हुए ?

अथवा

एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्‌भुत अवधूत है । दुःख हो या सुख, वह कभी हार नहीं मानता । न ऊधो का लेना, न माधो का देना । जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं । मौज में आठों याम मस्त रहते हैं ।एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है, जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है । ज़रूर खींचता होगा । नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएं निकली हैं । कबीर बहुत कुछ इस शिरीषं के सामान ही थे ,मस्त और बेपरवा, पर सरस और मादक । कालिदास भी ज़रूर अनासक्त योगी रहे होंगे । शिरीष के फूल फक्कडाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और मेघदूत का काव्य उसी प्रकार के अनासक्त अनाविल उन्मुक्त ह्रदय में उमड़ सकता है ।

क)शिरीष अपना रस कहाँ से प्राप्त करता है ?

ख)लेखक ने कबीर को शिरीष के समान क्यों कहा है ?

ग) लेखक के अनुसार मेघदूत कहाँ उमड़ सकता है ?

प्र.12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

3+3+3+1=10

क)बाज़ार का जादू क्या है ? उसके चढने उतरने का उपभोक्ता पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

ख)चार्ली सबसे ज़्यादा स्वयं पर कब हँसता है ?

ग) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई हैं ?

घ) शेर के बच्चे के नाम से कौन और क्यों प्रसिद्ध था ?

प्र.13. निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर दीजिए । (4)

ऐन की डायरी एक ऐतिहासिक दौर के दस्तावेज के साथ-साथ उसके निजी सुख- दुःख और भावनात्मक उथल-पुथल की कहानी है । अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

अथवा

सिल्वर 'वेडिंग' कहानी के आधार पर पीढी के अंतराल से होनेवाले पारिवारिक अलगाव पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

प्र.14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए-- 4+4=08

क)जूझ पाठ में लेखक को पाठशाला पहुंचकर किन-किन परेशानियों का सामना करना पड़ा ?

ख) 'अतीत के दबे पाँव' के आधार पर सिंधू घाटी के व्यापार व खेती का वर्णन कीजिए ।

ग) जूझ कहानी के माध्यम से लेखक ने क्या सीख दी है ?

समाप्त